

STATE BANK OF INDIA OFFICERS' ASSOCIATION

(BENGAL CIRCLE)



(Registered under Trade Unions Act 1926-Regd. No. 6908)
"Samriddhi Bhavan", E-Block, 6th Floor, 1, Strand Road, Kolkata – 700 001
Phone: (033) 2210 2210

e-mail: sbioabengalcircle@gmail.com
www.sbioabengal.com

Circular No. 32/2026

Date : 22.01.2026

To All Members (Please Circulate)

We reproduce the press release dated 22.01.2026 issued by the General Secretary, AIBOC and endorsed by AIBOC (WBSU) vide their Circular No. 10/2026 dated 22.01.2026, the contents of which are self-explicit.

With revolutionary greetings,

Shubhajyoti Chattopadhyay
(General Secretary)

Date: 22.01.2026

Press Release ALL INDIA BANK STRIKE ON 27TH JANUARY, 2026

Guwahati | 22nd January 2026:

United Forum of Bank Unions consisting of 9 Unions of bank employees and officers viz.

1. All India Bank Employees' Association – AIBEA,
2. All India Bank Officers Confederation – AIBOC,
3. National Confederation of Bank Employees – NCBE,
4. All India Bank Officers association – AIBOA,
5. Bank Employees Federation of India – BEFI,
6. Indian National Bank Employees Federation – INBEF,
7. Indian National Bank Officers Congress – INBOC,
8. National Organisation of Bank Workers – NOBW,
9. National Organisation of Bank Officers – NOBO

has issued the call for All India Bank Strike on the 27th January, 2026 by 8 Tacs bank employees and officers working in

- Public sector banks,
- Private sector banks,
- Foreign banks,
- Regional Rural Banks and
- Co-op. Banks

DEMANDING

- Approval of the Government for implementation of 5 Day work week in Banking Industry and declaring the remaining Saturdays (at present 2nd and 4th Saturdays are already holidays for Banks) as holidays as recommended by the Indian Banks' Association based on the Memorandum of Understandings signed between IBA and UFBU on 7-12-2023 and as agreed in the Settlement /Joint Note dated 8-3-2024.

From the United Forum of Bank Unions, we have been demanding the introduction of 5 working days per week in the banking sector. In the 10th Bipartite Settlement / 7th Joint Note signed in 2015, it was agreed by IBA and Government and accordingly, the 2nd and 4th Saturdays of every month are being declared as holidays while the other Saturdays are full working days instead of half a day working.

At that time, it was assured that our demand for declaring all the remaining Saturdays as holiday would be considered in due course. But the issue was kept pending.

In 2022, Government and Indian Banks Association agreed to discuss the issue with UFBU to increase the working hours so that the remaining Saturdays can be declared as holidays.

Shubhajyoti Chattopadhyay

General Secretary

Mobile : 9434551152

State Bank of India Officers' Association
(BENGAL CIRCLE)

: 2 :

In 2023, after discussion it was agreed that the daily working hours from Monday to Friday will be increased by 40 minutes and the remaining Saturdays will be declared as holidays.

This has been duly recommended to the Government but unfortunately it is pending approval from the Government for the past two years.

Since there was no response from the Government, UFBU gave the call for 2 days' strike on 24th and 25th March, 2025. At that time the Govt. informed us that the issue is under active consideration and hence the strike was deferred.

Even after this solemn assurance, the approval is not being given by the Government. Hence United Forum of Bank Unions, after drawing the attention of the Government through various protest programmes, has given the call for strike on 27-1-2026.

In the financial sector, already in RBI, LIC and GIC, this has been implemented. In Central Government and State Government, all their offices work only from Monday to Friday. Stock Exchanges function from Monday to Friday. Money market, foreign exchange transactions, etc. are closed on Saturdays and Sundays.

In Banks already, the 2nd and 4th Saturdays are holidays. Hence declaring the remaining Saturdays as holidays with increased working hours from Monday to Friday will not pose any major problem for the bank customers in the present circumstances when various alternative delivery channels to access banking services are available.

Bank employees and officers are highly aggrieved that they alone are being discriminated.

Hence this strike on 27-1-2026 has been forced on us.

We request the banking public to bear with us for any inconvenience caused.

Sd/-

Rupam Roy

General Secretary

State Bank of India Officers' Association
(BENGAL CIRCLE)

: 3 :

प्रेस विज्ञप्ति

27 जनवरी, 2026 को अखिल भारतीय बैंक हड्डताल

गुवाहाटी | 22 जनवरी 2026:

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU), जिसमें बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की 9 यूनियनें शामिल हैं, अर्थात्—

- ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉयीज़ एसोसिएशन (AIBEA)
- ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फरेशन (AIBOC)
- नेशनल कॉन्फरेशन ऑफ बैंक एम्प्लॉयीज़ (NCBE)
- ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (AIBOA)
- बैंक एम्प्लॉयीज़ फेडरेशन ऑफ इंडिया (BEFI)
- इंडियन नेशनल बैंक एम्प्लॉयीज़ फेडरेशन (INBEF)
- इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस (INBOC)
- नेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ बैंक वर्कर्स (NOBW)
- नेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ बैंक ऑफिसर्स (NOBO)

ने 27 जनवरी, 2026 को अखिल भारतीय बैंक हड्डताल का आह्वान किया है, जिसमें लगभग 8 लाख बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी भाग लेंगे, जो निम्नलिखित में कार्यरत हैं—

- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक
- निजी क्षेत्र के बैंक
- विदेशी बैंक
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
- सहकारी बैंक

मांगें

बैंकिंग उद्योग में पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने हेतु सरकार की स्वीकृति प्रदान की जाए तथा शेष सभी शनिवारों (वर्तमान में दूसरे और चौथे शनिवार पहले से अवकाश हैं) को अवकाश घोषित किया जाए। यह मांग भारतीय बैंक संघ (IBA) द्वारा 7.12.2023 को IBA और UFBU के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापनों तथा 8.3.2024 को हुए सेटलमेंट/जॉइंट नोट के आधार पर की गई सिफारिशों के अनुरूप है।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस लंबे समय से बैंकिंग क्षेत्र में सप्ताह में पाँच कार्य दिवस लागू करने की मांग करता रहा है। 2015 में हुए 10वें द्विपक्षीय समझौते / 7वें जॉइंट नोट में IBA और सरकार द्वारा यह सहमति बनी थी कि प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे शनिवार अवकाश रहेंगे, जबकि अन्य शनिवार पूर्ण कार्य दिवस होंगे (आधे दिन के स्थान पर)।

State Bank of India Officers' Association
(BENGAL CIRCLE)

: 4 :

उस समय यह आश्वासन दिया गया था कि शेष सभी शनिवारों को अवकाश घोषित करने की हमारी मांग पर यथासमय विचार किया जाएगा, परंतु यह विषय लंबित ही रखा गया।

2022 में, सरकार और भारतीय बैंक संघ ने UFBU के साथ इस मुददे पर चर्चा करने पर सहमति दी, ताकि कार्य घंटे बढ़ाकर शेष शनिवारों को अवकाश घोषित किया जा सके।

2023 में, विचार-विमर्श के बाद यह तय हुआ कि सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन कार्य समय में 40 मिनट की वृद्धि की जाएगी और शेष सभी शनिवार अवकाश घोषित किए जाएंगे।

यह प्रस्ताव विधिवत सरकार को अनुशंसित किया गया, किंतु दुर्भाग्यवश पिछले दो वर्षों से सरकार की स्वीकृति लंबित है।

सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर UFBU ने 24 और 25 मार्च, 2025 को दो दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया था। उस समय सरकार ने बताया कि यह विषय सक्रिय विचाराधीन है, जिसके कारण हड़ताल स्थगित कर दी गई थी।

इस ठोस आश्वासन के बावजूद अब तक सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान नहीं की गई। अतः यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने विभिन्न विरोध कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करने के बाद 27.01.2026 को हड़ताल का आह्वान किया है।

वित्तीय क्षेत्र में RBI, LIC और GIC में यह व्यवस्था पहले से लागू है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के सभी कार्यालय सोमवार से शुक्रवार तक ही कार्य करते हैं। स्टॉक एक्सचेंज भी सोमवार से शुक्रवार तक कार्यरत रहते हैं। मनी मार्केट, विदेशी मुद्रा लेन-देन आदि शनिवार और रविवार को बंद रहते हैं।

बैंकों में पहले से ही दूसरा और चौथा शनिवार अवकाश है। अतः सोमवार से शुक्रवार तक कार्य समय बढ़ाकर शेष शनिवारों को अवकाश घोषित करने से, वर्तमान परिस्थितियों में—जब बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच के लिए अनेक वैकल्पिक चैनल उपलब्ध हैं—ग्राहकों को कोई बड़ी असुविधा नहीं होगी।

बैंक कर्मचारी और अधिकारी इस बात से अत्यंत आहत हैं कि केवल उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

इसी कारण 27.01.2026 की यह हड़ताल हमारे ऊपर थोपी गई है।

हम बैंकिंग जनता से अनुरोध करते हैं कि इस दौरान होने वाली किसी भी असुविधा के लिए हमारे साथ सहयोग करें।

एसडी/-
रूपम राय
महासचिव

State Bank of India Officers' Association

(BENGAL CIRCLE)

: ৫ :

তারিখ: 22.01.2026

প্রেস বিজ্ঞপ্তি

২৭ জানুয়ারি, ২০২৬ সারা ভারতব্যাপী ব্যাংক ধর্মঘট

গুয়াহাটি | ২২ জানুয়ারি ২০২৬:

ইউনাইটেড ফোরাম অব ব্যাংক ইউনিয়নস (UFBU), যার অন্তর্ভুক্ত ব্যাংক কর্মচারী ও অফিসারদের লিটি সংগঠন,
যথা—

- অল ইন্ডিয়া ব্যাংক এমপ্লাইজ অ্যাসোসিয়েশন (AIBEA)
- অল ইন্ডিয়া ব্যাংক অফিসার্স কনফেডারেশন (AIBOC)
- ন্যাশনাল কনফেডারেশন অব ব্যাংক এমপ্লাইজ (NCBE)
- অল ইন্ডিয়া ব্যাংক অফিসার্স অ্যাসোসিয়েশন (AIBOA)
- ব্যাংক এমপ্লাইজ ফেডারেশন অব ইন্ডিয়া (BEFI)
- ইন্ডিয়ান ন্যাশনাল ব্যাংক এমপ্লাইজ ফেডারেশন (INBEF)
- ইন্ডিয়ান ন্যাশনাল ব্যাংক অফিসার্স কংগ্রেস (INBOC)
- ন্যাশনাল অর্গানাইজেশন অব ব্যাংক ওয়ার্কার্স (NOBW)
- ন্যাশনাল অর্গানাইজেশন অব ব্যাংক অফিসার্স (NOBO)

ঘোষণা করেছে যে ২৭ জানুয়ারি, ২০২৬ তারিখে প্রায় ৮ লক্ষ ব্যাংক কর্মচারী ও অফিসার সারা ভারতব্যাপী ধর্মঘটে অংশগ্রহণ
করবেন। এই ধর্মঘটে অংশগ্রহণ করবেন—

- পাব্লিক সেক্টর ব্যাংক
- প্রাইভেট সেক্টর ব্যাংক
- বিদেশি ব্যাংক
- আঞ্চলিক গ্রামীণ ব্যাংক
- সমবায় ব্যাংক

এই ধর্মঘটের প্রধান তথ্য একমাত্র দাবি

- ব্যাংকিং শিল্পে সপ্তাহে পাঁচ দিন কর্মদিবস চালু করার জন্য সরকারের অনুমোদন অবিলম্বে প্রদান করতে হবে এবং
অবশিষ্ট সব শনিবার (বর্তমানে দ্বিতীয় ও চতুর্থ শনিবার ছুটির দিন) সরকারি ছুটি হিসেবে ঘোষণা করতে হবে। এই দাবি
৭.১.২.২০২৩ তারিখে IBA ও UFBU-র মধ্যে স্বাক্ষরিত সমরোতা স্থারক এবং ৮.৩.২০২৪ তারিখের সেটেলমেন্ট/জয়েন্ট
নোটের ভিত্তিতে ইন্ডিয়ান ব্যাংকস অ্যাসোসিয়েশন (IBA)-এর সুপারিশ অনুযায়ী করা হয়েছে।

ইউনাইটেড ফোরাম অব ব্যাংক ইউনিয়নস দীর্ঘদিন ধরে ব্যাংকিং ক্ষেত্রে সপ্তাহে পাঁচ দিন কর্মদিবস চালুর দাবি জানিয়ে
আসছে। ২০১৫ সালে স্বাক্ষরিত ১০ম দ্বিপাক্ষিক চুক্তি / ৭ম জয়েন্ট নোটে IBA ও সরকার সম্মত হয়েছিল যে প্রতি মাসের দ্বিতীয়
ও চতুর্থ শনিবার ছুটির দিন থাকবে এবং অন্যান্য শনিবার সম্পূর্ণ কর্মদিবস হবে (অর্ধদিবস নয়)।

তখন আশ্বাস দেওয়া হয়েছিল যে অবশিষ্ট শনিবারগুলিকে ছুটি ঘোষণা করার বিষয়টি পরবর্তী সময়ে বিবেচনা করা হবে। কিন্তু
বিষয়টি দীর্ঘদিন ধরে অমীমাংসিত থেকে গেছে।

২০২২ সালে, সরকার ও ইন্ডিয়ান ব্যাংকস অ্যাসোসিয়েশন UFBU-র সঙ্গে আলোচনায় বসতে সম্মত হয়, যাতে কাজের সময়
কিছুটা বাড়িয়ে অবশিষ্ট শনিবারগুলিকে ছুটি ঘোষণা করা যায়।

২০২৩ সালে, আলোচনার পর সিদ্ধান্ত হয় যে সোমবার থেকে শুক্রবার দৈনিক কাজের সময় ৪০ মিনিট বৃদ্ধি করা হবে এবং
অবশিষ্ট সব শনিবার ছুটি ঘোষণা করা হবে।

এই প্রস্তাব সরকারকে আনুষ্ঠানিকভাবে সুপারিশ করা হয়েছে, কিন্তু দুর্ভাগ্যবশত গত দুই বছর ধরে এটি সরকারের অনুমোদনের
অপেক্ষায় রয়েছে।

সরকারের পক্ষ থেকে কোনো সাড়া না পাওয়ায় UFBU ২৪ ও ২৫ মার্চ, ২০২৫ তারিখে দুই দিনের ধর্মঘটের ডাক দিয়েছিল। তখন
সরকার জানিয়েছিল যে বিষয়টি সক্রিয়ভাবে বিবেচনাধীন রয়েছে, যার ফলে ধর্মঘট স্থগিত করা হয়।

State Bank of India Officers' Association
(BENGAL CIRCLE)

: 6 :

কিন্তু প্রতিশৃঙ্খলি সত্ত্বেও এখনো পর্যন্ত সরকার সেই অনুমোদন দেয়নি। ফলে বিভিন্ন প্রতিবাদ কর্মসূচির মাধ্যমে সরকারের দৃষ্টি আকর্ষণের পর UFBU ২৭ জানুয়ারি, ২০২৬ তারিখে ধর্মঘটের ডাক দিতে বাধ্য হয়েছে।

আর্থিক ক্ষেত্রে ইতিমধ্যেই RBI, LIC ও GIC-তে পাঁচ দিন কর্মদিবসের ব্যবস্থা চালু রয়েছে। কেন্দ্রীয় ও রাজ্য সরকারি দপ্তরসমূহ কেবল সোমবার থেকে শুক্রবার পর্যন্ত কাজ করে। স্টক এক্সচেঞ্চ-ও সোমবার থেকে শুক্রবার পর্যন্ত চালু থাকে। মানি মাকেট, বৈদেশিক মুদ্রা লেনদেন ইত্যাদি শনিবার ও রবিবার বন্ধ থাকে।

ব্যাংকগুলিতে বর্তমানে দ্বিতীয় ও তৃতীয় শনিবার ছুটির দিন। অতএব সোমবার থেকে শুক্রবার কাজের সময় বাড়িয়ে অবশিষ্ট শনিবারগুলিকে ছুটি ঘোষণা করলে, বর্তমান পরিস্থিতিতে—যেখানে ব্যাংকিং পরিষেবা গ্রহণের জন্য বিভিন্ন বিকল্প ডিজিটাল ও অন্যান্য চ্যানেল উপলব্ধ আছে—গ্রাহকদের কোনোপ্রকার অসুবিধা হবে না বলেই আমরা মনে করি।

স্বাভাবিক ভাবেই ব্যাংক কর্মচারী ও অফিসাররা অত্যন্ত শুরু, কারণ শুধুমাত্র তাদের সঙ্গেই বৈষম্য করা হচ্ছে।

এই পরিস্থিতিতেই ২৭ জানুয়ারি, ২০২৬-এর ধর্মঘট আমাদের উপর চাপিয়ে দেওয়া হয়েছে বলেই আমাদের ধারণা।

এই ধর্মঘটের কারণে ব্যাংকিং পরিষেবা গ্রহণকারী সাধারণ জনগণের যে কোনো অসুবিধার জন্য আমরা দৃঃখ্যিত। বৃহত্তর স্বার্থে সকল সকল ব্যাংক গ্রাহকের সহযোগিতা ও সহানুভূতি কামনা করছি।

এসডি/-
রূপম রায়
মহাসচিব